KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN : CHENNAI REGION
CLASS XII COMMON PRE BOARD EXAMINATION
SUBJECT : HINDI(CORE **TIME ALLOTED : 3 HOURS** **MAX. MARKS : 100**

****

सामान्य निर्देश :

- कृपया जाँच कर ले कि प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ 8 है ।
- कृपया जाँच कर ले कि प्रश्न-पत्र में 14 प्रश्न है ।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । इस अवधि के दौरान छात्र उत्तर पुस्तिका में कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

खण्ड क

1. निम्नलिखित पद्यांश पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 1x5=5

मुक्त करो नारी को मानव ! चिरबंदिनी नारी को,
युग-युग की बर्बर कारा से जननि, सखी, प्यारी को ।
छिन्न करो सब स्वर्ण-पाश उसके कोमल तन-मन के,
वे आभूषण नहीं, दाम उसके बंदी जीवन के !
उसे मानवी का गौरव दे पूर्ण सत्व दो नूतन ,
उसका मुख जग का प्रकाश हो, उठे अंध अवगुंठन !
मुक्त करो जीवन-संगिनी को, जननि देवी को आद्दत ,
जगजीवन में मानव के संग हो मानवी प्रतिष्ठित !
प्रेम स्वर्ग हो धरा, मधुर नारी महिमा मंडित,
नारी-मुख की नव किरणों से युग-प्रभात हो ज्योतित !

क] कवि नारी को किस दशा से मुक्त करना चाहता है ? वह उसके किन-किन रूपों का उल्लेख कर रहा है?

ख] कवि नारी के आभूषणों को उसके अलंकरण के साधन न मानकर उन्हें किन रूपों में देख रहा है ?

ग] कवि नारी को किन दो गरिमाओं से मंडित करा रहा है और क्या कामना कर रहा है ?

घ] कवि नारी को किन-किन रूपों में प्रतिष्ठित करना चाहता है ?

ङ] आशय स्पष्ट कीजिए : नारी-मुख की नव किरणों से युग-प्रभात हो ज्योतित !

2. निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

परियोजना शिक्षा का एक बहुत महत्त्वपूर्ण अंग है । इसे तैयार करने से किसी खेल की तरह का ही आनंद भी मिलता जाता है । इस तरह परियोजना तैयार करने का अर्थ है -खेल-खेल में बहुत कुछ सीख जाना । यदि आपको कहा जाए कि दशहरा पर एक निबंध लिखिए, तो आपको शायद उतना आनंद नहीं आएगा । लेकिन यदि आपसे कहा जाए कि अखबारों में छपे अलग-अलग शहरों के दशहरे के चित्र काटकर अपनी कापी में चिपकाइए और लिखिए कि कौन-सा चित्र किस शहर के दशहरे का है, तो शायद आपको बहुत आनंद आएगा । तो इस तरह से चित्र इकट्ठे करके चिपकाना भी एक शैक्षिक परियोजना है । यह एक प्रकार की फ़ोटो-फ़ीचर परियोजना कहलाएगी । इस तरह से न केवल आपने चित्र काटे और चिपकाए, बल्कि कई शहरों में मनाए जानेवाले दशहरे के तरीकों को भी जाना । परियोजना पाठ्य-पुस्तक से प्राप्त जानकारियों के अलावा भी आपको देश-दुनिया की बहुत सारी जानकारियाँ प्रदान करती है । यह आपको तथ्यों को जुटाने तथा उन पर विचार करने का अवसर प्रदान करती है । इससे आप में नए-नए तथ्यों के कौशलों का विकास होता है । इससे आपमें एकाग्रता का विकास होता है । लेखन संबंधी नयी-नयी शैलियों का विकास होता है । आप में चिंतन करने तथा किसी पूर्व घटना से वर्तमान घटना को जोड़कर देखने की शक्ति का विकास होता है । परियोजना कई प्रकार से तैयार की जा सकती है । हर व्यक्ति इसे अलग ढंग से अपने तरीके से तैयार कर सकता है । ठीक उसी प्रकार जैसे हर व्यक्ति का बातचित करने का, रहने का, खाने-पीने का अपना अलग तरीका होता है । ऐसा निबंध, कहानी, कविता लिखते या चित्र बनाते समय भी होता है । लेकिन ऊपर कही गई बातों के आधार पर यहाँ हम परियोजना को मोटे तौर पर दो भागों में बाँट सकते हैं- एक तो वे परियोजनाएँ जो समस्याओं के निदान के लिए तैयार की जाती हैं और दूसरी जो किसी समुचित जानकारी प्रदान करने के लिए तैयार की जाती है ।

समस्याओं के निदान के लिए तैयार की जानेवाली परियोजनाओं में संबंधित समस्या से जुड़े सभी तथ्यों पर प्रकाश डाला जाता है और उस समस्या के समाधान के लिए सुझाव भी दिए जाते हैं । इसतरह की परियोजनाएँ प्रायः सरकारी अथवा संगठनों द्वारा किसी समस्या पर कार्ययोजना तैयार करते समय बनाई जाती है । इस से उस समस्या के विभिन्न पहलुओं पर कार्य करने में आसानी हो जाती है । किंतु दूसरे प्रकार की परियोजना आप आसानी से तैयार कर सकते हैं । इसे शैक्षिक परियोजना भी कहा जा सकता है । इस तरह की परियोजनाएँ तैयार करते समय आप संबंधित विषय पर तथ्यों को जुटाते हुए बहुत सारी नई-नई बातों से अपने-आप परिचित भी हो जाते हैं ।

क] परियोजना क्या है ? इसका क्या महत्त्व है ? 2

ख] शैक्षिक परियोजना क्या है ? 2

ग] परियोजना हमें क्या प्रदान करती है ? 2

घ] परियोजना किस प्रकार तैयार की जाती है ? यह कितने प्रकार की होती है ? 2

ङ] समस्या का निदान करने वाली परियोजना कैसी होनी चाहिए ? 2

च] परियोजना शब्द का निर्माण किस प्रकार हुआ है ? 1

छ] 'शिक्षा' और 'संबंध' शब्दों से विशेषण बनाइए । 1

ज] फ़ोटो-फ़ीचर परियोजना से आप क्या समझते है ? 1

झ] शैक्षिक, सरकारी शब्दों से मूल शब्द तथा प्रत्यय अलग कीजिए । 1

ञ] गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक दीजिए । 1

खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए : 5

क] कामकाजी महिलाओं की समस्याएँ

ख] आधुनिक फैशन

ग] चरित्र : सर्वश्रेष्ठ धन

घ] फिल्मों की सामाजिक भूमिका

4. आपके नगर में वन महोत्सव के अवसर पर लगाए गए वृक्ष उद्यान विभाग की लापरवाही के कारण सूखते जा रहे हैं। उद्यान विभाग के निदेशक को पत्र लिखकर उचित कार्रवाई के लिए अनुरोध कीजिए ।

अथवा 5

अपोलो अस्पताल के प्रबंधन पर संतोष व्यक्त करते हुए चिकित्सा अधीक्षक को अनुराग श्रीवास्तव की ओर से पत्र लिखिए ।

5.अ] संक्षेप में उत्तर लिखिए : 1x5=5

i] पत्रकारिता किसे कहते हैं ?

ii] हिन्दी का पहला साप्ताहिक पत्र कौन-सा था ? इसके संपादक कौन थे ?

iii] खोजपरक पत्रकारिता किसे कहते हैं ?

iv] संपादकीय किसी के नाम के साथ क्यों नहीं छापा जाता ?

v] भारत में पहला छापाखाना कब और कहाँ खुला ?

5.आ] `आदर्श विद्यालय' अथवा `पेट्रोल-डीज़ल की बढ़ती क़ीमतें' विषय पर आलेख लिखिए । 5

6. `महँगी शिक्षा' अथवा `मोबाइल के सुख-दुख' विषय पर फ़ीचर लिखिए । 5

खण्ड ग

7\. निम्नलिखित काव्यांश के आधारपर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2x4=8

मैं यौवन का उन्माद लिए फिरता हूँ,
उन्मादों में अवसाद लिए फिरता हूँ,
जो मुझको बाहर हँसा, रुलाती भीतर,
मैं, हाय, किसी की याद लिए फिरता हूँ !
कर यत्न मिटे सब, सत्य किसी ने जाना ?
नादान वहीं है,हाय,जहाँ पर दाना !
फिर मूढ़ न क्या जग, जो इस पर भी सीखे ?
मैं सीख रहा हूँ सीखा ज्ञान भुलाना ।

क] यौवन का उन्माद से क्या तात्पर्य है ?
ख] कवि की मनःस्थिति कैसी है ?
ग] 'नादान' कौन है ? क्यों?
घ] कवि सीखे ज्ञान को क्यों भुलाना चाहता है ?

अथवा

धूत कहौ, अवधूत कहौ, रजपूतु कहौ, जोलहा कहौ कोऊ ।
काहू की बेटी सों बेटा न ब्याहब, काहुकी जाति बिगार न सोऊ ॥
तुलसी सरनाम गुलामु है राम को, जाको रुचै सो कहै कछु ओऊ ।
माँगिकै खैबो, मसीत को सोइबो, लैबे को एकु न दैबे को दोऊ ॥

क] कवि किन पर व्यंग्य करता है ? क्यों ?
ख] कवि को अपने किस रूप पर गर्व है ?
ग] कवि का समाज से कैसा संबंध है ?
घ] कवि अपना जीवन-निर्वाह कैसे करता है ?

8\. निम्नलिखित काव्यांश पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2x3=6

रुद्ध कोष है, क्षुब्ध तोष
अंगना-अंग से लिपटे भी

आतंक अंक पर काँप रहे हैं।
धनी, वज्र-गर्जन से बादल !
त्रस्त नयन-मुख ढाँप रहे हैं ।
जीर्ण बाहु है, शीर्ण शरीर,
तुझे बुलाता कृषक अधीर,
ऐ विप्लव के वीर !
चूस लिया है उसका सार,
हाड़ मात्र ही है आधार,
ऐ जीवन के पारावार !

क] धनिकों एवं कृषकों के लिए प्रयुक्त विशेषणों का सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।
ख] 'विप्लव के वीर' शब्द के सौंदर्य को उद्‌घाटित कीजिए ।
ग] काव्यांश की भाषागत विशेषता पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

प्रात नभ था बहुत नीला शंख जैसे
भोर का नभ
राख से गीला चौका
(अभी गिला पड़ा है)
बहुत काली सील ज़रा से लाल केसर से
कि जैसे धुल गई हो
स्लेट पर या लाल खड़िया चाक
मल दी हो किसी ने
नील जल में या किसी की
गौर झिलमिल देह
जैसे हिल रही हो ।
और....
जादू टूटता है उषा का अब
सूर्योदय हो रहा है ।

क] काव्यांश में प्रयुक्त उपमानों का उल्लेख कीजिए ।
ख] काव्यांश की दो भाषागत विशेषताओं की चर्चा कीजिए ।

ग] भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए-

नील जल में या किसी की
गौर झिलमिल देह
जैसे हिल रही हो ।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लिखिए : 3+3=6

क] 'छोटा मेरा खेत' कविता का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए ।

ख] 'बात सीधी थी पर' कविता के आधार पर 'भाषा को सहूलियत से बरतने' का क्या अभिप्राय है ? बताइए ।

ग] 'कैमरे में बंद अपाहिज' शीर्षक की उपयुक्तता सिद्ध कीजिए ।

10. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2x4=8

भक्तिन का दुर्भाग्य भी उससे कम हठी नहीं था, इसी से किशोरी से युवती होते ही बड़ी लड़की भी विधवा हो गयी । भइयहू से पार न पा सकने वाले जेठों और काकी को परास्त करने के लिए कटिबद्ध जिठौतों ने आशा की एक किरण देख पाई । विधवा बहिन के गठबंधन के लिए बड़ा जिठौत अपने तीतर लड़ाने वाले साले को बुला लाया, क्योंकि उसका हो जाने पर सब कुछ उन्हीं के अधिकार में रहता । भक्तिन की लड़की भी माँ से कम समझदार नहीं थी, इसी से उसने वर को नापसंद कर दिया । बाहर के बहनोई का आना चचेरे भाइयों के लिए सुविधाजनक नहीं था, अतः यह प्रस्ताव जहाँ-का-तहाँ रह गया । तब वे दोनों माँ-बेटी खूब मन लगाकर अपनी संपत्ति की देख-भाल करने लगी और 'मान न मान मैं तेरा मेहमान' की कहावत चरितार्थ करने वाले वर के समर्थक उसे किसी-न-किसी प्रकार पति की पदवी पर अभिषिक्त करने का उपाय सोचने लगे ।

क] भक्तिन का दुर्भाग्य क्या था ?

ख] जेठों और जिठौतों को आशा की कौन-सी किरण दिखाई दी ?

ग] जिठौत किसके लिए विवाह का प्रस्ताव लाया ? उसका क्या परिणाम हुआ ?

घ] 'वर की पदवी पर अभिषिक्त करने का'-क्या आशय है ?

अथवा

एक-एक बार मुझे मालूम होता है कि यह शिरीष एक अद्भुत अवधूत है । दुःख हो या सुख, वह हार नहीं मानता । न उधो का लेना, न माधो का देना । जब धरती और आसमान जलते रहते है, तब भी यह

हज़रत न जाने कहाँ से अपना जीवन रस खींचते रहते है । मौज में आठों याम मस्त रहते है । एक वनस्पतिशास्त्री ने मुझे बताया है कि यह उस श्रेणी का पेड़ है, जो वायुमंडल से अपना रस खींचता है । ज़रूर खींचता होगा । नहीं तो भयंकर लू के समय इतने कोमल तंतुजाल और ऐसे सुकुमार केसर को कैसे उगा सकता था ? अवधूतों के मुँह से ही संसार की सरस रचनाएँ निकली है । कबीर बहुत कुछ इस शिरीष के समान ही थे, मस्त और बेपरवा, पर सरस और मादक । कालिदास भी ज़रूर अनासक्त योगी रहे होंगे । शिरीष के फूल फक्कड़ाना मस्ती से ही उपज सकते हैं और 'मेघदूत' का काव्य उसी प्रकार के अनासक्त अनाविल उन्मुक्त हृदय में उमड़ सकता है । जो कवि अनासक्त नहीं रह सका, जो फक्कड़ नहीं बन सका, जो किए-कराए का लेखा-जोखा मिलाने में उलझ गया, वह भी क्या कवि है ?

क] लेखक ने शिरीष को क्या संज्ञा दी है ? क्यों ?

ख] 'अवधूतों के मुँह से ही संसार की सरस रचनाएँ निकली है।'-आशय स्पष्ट कीजिए ।

ग] लेखक ने कालिदास को क्या कहा है ? क्यों ?

घ] कबीरदास पर लेखक ने क्या टिप्पणी की है ?

11. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 3x4=12

क] 'श्रमविभाजन और जति-प्रथा' पाठ के आधार पर बताइए कि जाति-प्रथा भारतीय समाज में बेरोज़गारी व भुखमरी का भी कारण कैसे बनती रही है ? क्या यह स्थिति आज भी है ?

ख] बाज़ार किसी का लिंग, जाति, धर्म या क्षेत्र नहीं देखता ; वह देखता है सिर्फ़ उसकी क्रय शक्ति को । इस रूप में वह एक प्रकार से सामाजिक समता की भी रचना कर रहा है ।' आप इससे कहाँ तक सहमत हैं ?

ग] 'मानचित्र पर लकीर खींच देने भर से ज़मीन और जनता बँट नहीं जाती है -उचित तर्कों व उदाहरणों के ज़रिए इसकी पुष्टि कीजिए ।

घ] 'काले मेघा पानी दे' पाठ के आधार पर बताइए कि जीजी ने इंदर सेना पर पानी फेंकने को किस तरह सही ठहराया ?

ङ] लेखक विष्णु खरे ने चार्ली का भारतीयकरण किसे कहा है ? गाँधी और नेहरू ने भी उनका सान्निध्य क्यों चाहा ?

12. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 3+2=5

क] 'डायरी के पन्ने' पाठ के आधार पर बताइए कि ऐन की डायरी एक ऐतिहासिक दस्तावेज है ?

ख] सिंधु-सभ्यता साधन संपन्न थी, पर उस में भव्यता का आडंबर नहीं था। 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर बताइए।

13. निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2+3=5

जब तक किशनदा दिल्ली में रहे तब तक यशोधर बाबू ने उनके पट्ट शिष्य और उत्साही कार्यकर्ता की भूमिका पूरी निष्ठा से निभाई। किशनदा के चले जाने के बाद उन्होंने ही उनकी कई परंपराओं को जीवित रखने की कोशिश की और इस कोशिश में पत्नी और बच्चों को नाराज़ किया। घर में होली गवाना, जन्यो पुन्यूं के दिन सब कुमाउँनिओं को जनेऊ बदलने के लिए अपने घर आमंत्रित करना, रामलीला की तालीम के लिए क्वार्टर का एक कमरा दे देना-ये और ऐसे ही और कई काम यशोधर बाबू ने किशनदा से विरासत में लिए थे। उनकी पत्नी और बच्चों को इन आयोजनों पर होनेवाला खर्च और इन आयोजनों में होने वाला शोर, दोनों ही सख्त नापसंद थे। बदतर यही कि इन आयोजनों के लिए समाज में भी कोई खास उत्साह रह नहीं गया है।

क] यशोधर बाबू ने किशनदा से किन मूल्यों को विरासत में प्राप्त किया ? आप यशोधर बाबू की जगह होते तो क्या करते ?

ख] यदि आप यशोधर बाबू के बच्चे (बेटे) होते तो क्या करते ?

14. 'मुअनजो-दड़ो' के उत्खनन से प्राप्त जानकारियों के आधार पर सिंधु सभ्यता की विशेषताएँ लिखिए।

अथवा 5

'जूझ' कहानी के नायक की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।